CW
5/7/21

हंस और कछुआ

मौखिक

1) श्रुतलेखन एवं उच्चारण अभ्यास :-

a) योजना	योजना	योजना
पतंग	पतंग	पतंग
शीघ्र	शीघ्र	शीघ्र
अदभुत	अदभुत	अदभुत
दृश्य	दृश्य	दृश्य
बेचैन	बेचैन	बेचैन

2) कम-से-कम शब्दो मे उत्तर दीजिए :-

(क) दोनो हंसो के नाम क्या था ?

उ-> दोनो हंसो का नाम संकट और विकट था।

(ख) तालाब में कौन रहती थी?

उ→ तालाब में बहुत सारी मछलियाँ रहती थी।

(ग) मछुआरे ने आपस में क्या विचार किया?

उ→ मछुआरे ने आपस में यह विचार किया की वे अगले दिन आकर मछलियाँ और कछुए को पकड़ेंगे।

घ) कछुआ क्यों घबरा गया?

उ→ कछुआ इसीलिए घबरा गया क्योंकी उसे उड़ना नहीं आता था।

निम्नलिखित

1. सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाए

क) मछुआरे ने तय किया कि वे अगले दिन आकर तालाब की मछलियाँ और कछुए को पकड़ेंगे। [✓]

ख) कछुए ने बच्चों से निवेदन किया कि वे उसे वहाँ से ले जाएँ। [✗]

ग) कछुए को उड़ना आता था। [✗]

Date
Page

घ) हंस और कछुआ गाँव के ऊपर से उड़ रहे थे
[✓]

ड) बच्चों की बातें सुनकर कछुए को गुस्सा आ गया। [✓]

2. सही विकल्प चुनकर लिखिए :-

क) संकट और विकट नाम के दो हंस रहते थे,

ख) एक बार कुछ मछुआरे वहाँ से गुज़र रहे थे

ग) कछुए ने हंसों की योजना मान ली।

घ) कछुए को बच्चों की बातें सुनकर गुस्सा आ गया।

3. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थान भरिए

(से, ने, की, को, के, में)

क. तालाब में बहुत सारी मछलियाँ भी रहती थी।

ख) संकट और विकट ने मछुआरे को आपस में बात करते हुए सुन लिया था।

ग) कछुए ने हंसो से निवेदन किया कि वे उसे वहाँ से ले जाएँ।

घ) वे गाँव के ऊपर से उड़ रहे थे।

ङ) कछुए की बच्ची की बातें सुनकर गुस्सा आ रहा है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) हंसो ने मछुआरों की क्या कहते हुए सुना था?

उ→ मछुआरे ने अगले दिन आकर तालाब की सारी मछलियाँ और कछुए को पकड़ने की बात की थी।

ख) कछुआ हंसो से क्या बोला?

उ→ कछुआ हंसो से बोला कि वे उसकी रक्षा करें।

ग) हंस कछुए से बोला कि वे को कैसे उड़ाकर ले गए?

उ→ हंस कछुए को एक लाठी के सहारे उड़ाकर ले गए।

घ) कछुए को किस पर गुस्सा आ रहा था?

उ→ कछुए को बच्चो की बात पर गुस्सा आ रहा था।

ङ) अंत मे कछुए का क्या हश्र हुआ?

उ→ अंत मे कछुआ मर गया।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक मे दिजिए :-

क. संयम न रखने से क्या नुकसान हो सकता है? पाठ के आधार पर उत्तर लिखीए।

उ→ * संयम न रखने से अपनी जान से हाथ धोना पढ सकता है। हंस कछुए को लाठी के सहारे उसे सुरक्षीत स्थान पर ले जा रहा था। उन्होने कछुए को बोलने से मना

Date ______
Page ______

किया था। बच्चों की बात सुनकर कछुए को गुस्सा आ गया। क्रोध में उसने मुँह खोल दिया। वह गिरकर मर गया।

* यदि कछुआ मित्रों की बात माना होता तो शायद वह मरने से वह मरने से बच जाता। कभी कभी ज्यादा गुस्सा के कारण कुछ लोग अपने आप से बाहर हो जाते है। उस समय वह क्या करते उन्हे भी पता नही होता है। गुस्सा ठंडा होने पर वह पश्चाताप की आग मे जलते रहते है। इसलिए संकट के समय धैर्य रखना चाहिए। लोग क्या कहते है उस पर उसी समय ध्यान देना नही चाहिए। इसीलिए तो कहते है कि मुसीबत के समय शांत रहना चाहिए।

२ज- हमें हमेशा सोच-समझकर बोलना चाहिए, क्या आप इस बात से सहमत है ?

उ-> हाँ, मैं इस बात से सहमत है की हमें हमेशा सोच समझकर बोलना चाहिए अगर हम सोच समझकर बोले तो हमें कोई हानी नही पहुँचेगी और दुसरो को भी बुरा नही लगेगा।

भाषा ज्ञान

1) पढ़ए, समझिए और लिखिए :—

(संकट, वहाँ, मछलियाँ, कहीं, जाएँ, हंस
मुँह, पतंग, गाँव, मैं)

अनुस्वार	अनुनासिक
* कहीं	* मछलियाँ
* संकट	* वहाँ
* नींच	* जाएँ
* हंस	* मुँह
* पतंग	* गाँव
* मैं	

2) निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन शब्दो के उलटे अर्थ वाले शब्द लिखिए :—

क) उनका एक मित्र वहाँ रहता है।

उ→ उनका एक शत्रु वहाँ रहता है।

ख) वे तीनों झोपड़ी के ऊपर उड़ रहे थे।

उ→ वे तीनो झोपड़ी के नीचे उड़ रहे थे।

ग) वह जमीन गिर पड़ा और मर गया।

उ→ वह जमीन गिर पड़ा और अमर गया।

घ) बच्चे उनके पीछे-पीछे भागने लगे।

उ→ बच्चे उनके आगे-आगे भागने लगे।

3) वाक्यों मे सही विराम-चिह्नों का प्रयोग कीजिए :- (सीर्फ उत्तर)

(क) देखो कैसा अद्भुत दृश्य है!

(ख) वह अपने बचाव का उपाय सोचने लगा।

(ग) आज पाठशाला, कॉलेज, बाजार बंद हैं।

(घ) हंस और कछुआ कहाँ उड़ रहे थे?

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए :-

- अगर आप कबुरा की जगह होते, तो क्या करते? चर्चा कीजिए ?

उ → अगर मैं कबुरा की जगह की जगह होती तो अपने गुस्से पर काबू रखती और धैर्य रखती क्योंकी वे भी मुसीबत का समय है।